CBSE Class 8 Maths Notes Chapter 11 सीधा और प्रतिलोम समानुपात

→ दो राशियाँ x और y प्रत्यक्ष या सीधे समानुपात में अथवा परस्पर अनुक्रमानुपाती कही जाती हैं, यदि वे साथ-साथ इस प्रकार घरें या बढ़ें कि उनके संगत मानों का अनुपात अचर रहे। अर्थात् यदि xyxy = K हो (जहाँ K एक धनात्मक अचर है), तो x और y परस्पर अनुक्रमानुपाती कहलाती हैं। ऐसी स्थिति में यदि x के मानों x_1, x_2 के लिए के संगत मान क्रमशः y_1, y_2 हों, तो x1y1=x2y2x1y1=x2y2 होता है।

→ दो राशियाँ x और y प्रतिलोम समानुपात में अथवा परस्पर व्युत्क्रमानुपाती कही जाती हैं, यदि x में हुई एक वृद्धि) में एक समानुपाती कमी उत्पन्न करे तथा x में हुई एक कमी y में एक समानुपाती वृद्धि उत्पन्न करे ताकि इनके संगत मानों का गुणनफल अचर रहे । अर्थात् यदि y = K हो, तो x और y परस्पर व्युत्क्रमानुपाती कहलाती हैं । ऐसी स्थिति में, यदि x के मानों x_1, x_2 के लिए y के संगत मान क्रमशः y_1, y_2 हों, तो $x_1y_1 = x_2y_2$ या x1x2=y2y1x1x2=y2y1 होता है।

https://www.evidyarthi.in/